बिशप की मुहर

बिशप

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

✠

यह मुहर बिशप बायर्स का निजी चिह्न है। यह उनके पत्रों, उनके लेखों और उनके दस्तावेज़ों पर लगाई जाती है, और लिखित वचन के द्वारा सुसमाचार की इस सेवकाई के शीर्ष पर स्थित है।

अपनी निजी मुहर रखना बहुत प्राचीन काल से बिशप के पद का अंग रहा है। आरम्भिक शताब्दियों से ही मसीही लोग ऐसी मुद्रिकाओं से मुहर लगाते थे जिन पर मसीही प्रतीक अंकित होते थे; सिकन्दरिया के क्लेमेंट ने, लगभग 200 ई. में लिखते हुए, विश्वासियों को सलाह दी कि उनकी मुहरों पर "एक कबूतर, या एक मछली, या हवा के आगे तेज़ी से दौड़ता हुआ जहाज़, या एक वीणा ... या जहाज़ का लंगर" अंकित हो।[1] बारहवीं शताब्दी तक सारी कलीसिया में बिशपों के लिए अपनी निजी मुहर रखना स्थापित प्रथा बन चुकी थी।[2] ऐसी मुहर चित्रों के माध्यम से वे बातें दिखाती है जो बिशप के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, और उनकी सम्पूर्ण सेवकाई में उन्हें उनकी याद दिलाती रहती है।

इस मुहर के साथ भी ऐसा ही है। इस पर अंकित प्रत्येक तत्व मसीह के लिए बिशप बायर्स की अपनी बुलाहट में उनके लिए व्यक्तिगत अर्थ रखता है। इसके पीछे एक कहानी है; वह कहानी यहाँ नहीं बताई गई है, परन्तु बिशप बायर्स उसे जानते हैं और वह उनकी अपनी है। नीचे प्रत्येक तत्व का अर्थ, उन पवित्रशास्त्र-वचनों के साथ प्रस्तुत किया गया है जिन पर वह आधारित है।

विषय-सूची

सुनहरा क्रूस · प्रकाश की किरणें · पवित्र बाइबल · बिजली · अजगर · पृथ्वी का गोला · तूफ़ानी बादल और उफनता जल

सुनहरा क्रूस

मुहर के केन्द्र में यीशु मसीह का क्रूस खड़ा है। वहीं उन्होंने मृत्यु पर विजय पाई और उन सब के लिए जो उन पर विश्वास करते हैं अनन्त जीवन प्राप्त किया। अपने दुःखभोग, क्रूस पर चढ़ाए जाने, मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा उन्होंने पाप का वह ऋण चुका दिया जो अदन की वाटिका में मनुष्य के पतन के समय से परमेश्वर के प्रति बकाया था।

> "इसलिए जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सब ने पाप किया।"
>
> रोमियों 5:12

> "वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया, जिससे हम पापों के लिये मर करके धार्मिकता के लिये जीवन बिताएँ। उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए।"
>
> 1 पतरस 2:24

क्रूस उसी विजय का चिह्न है। उस पर मसीह ने "विधियों का वह लेख और सहायक नियम जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला; और उसे क्रूस पर कीलों से जड़कर ... और उसने प्रधानताओं और अधिकारों को अपने ऊपर से उतार कर उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और क्रूस के कारण उन पर जय जयकार की ध्वनि सुनाई" (कुलुस्सियों 2:14–15)। क्रूस की प्रतिज्ञा अन्तहीन जीवन है: "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना 3:16)।

क्रूस यह भी घोषित करता है कि जो उन पर विश्वास करते हैं, वे वह विजय पहले ही पा चुके हैं:

> "हे मृत्यु तेरी जय कहाँ रहीं? हे मृत्यु तेरा डंक कहाँ रहा? ... परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।"
>
> 1 कुरिन्थियों 15:55, 57

वे उनके राज्य में सदा-सर्वदा उनके साथ राज्य करेंगे: "यदि हम धीरज से सहते रहेंगे, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे" (2 तीमुथियुस 2:12), और "वे युगानुयुग राज्य करेंगे" (प्रकाशितवाक्य 22:5)।

क्रूस सोने का बना है, यह दिखाने के लिए कि वह मसीही को शुद्ध करता है। यीशु का लहू शुद्ध करनेवाली आग के समान है: "उसके पुत्र यीशु मसीह का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है" (1 यूहन्ना 1:7)। जैसे सोना आग में शुद्ध किया जाता है, वैसे ही मसीही सब पापों से

शुद्ध किया जाता है। प्रभु के विषय में लिखा है कि “वह सुनार की आग … के समान है। वह रूपे का तानेवाला और शुद्ध करनेवाला बनेगा, और लेवियों को शुद्ध करेगा और उनको सोने रूपे के समान निर्मल करेगा” (मलाकी 3:2–3)।

कभी-कभी मसीहियों को परीक्षाओं और क्लेशों का सामना करना पड़ता है। इन्हें आग में ताए जाते हुए सोने के समान समझना चाहिए, ताकि जो क्रूस के प्रति विश्वासयोग्य बने रहते हैं वे अनन्त जीवन पाएँ:

> “इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अब कुछ दिन तक नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण दुःख में हो, और यह इसलिए है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, महिमा, और आदर का कारण ठहरे।”
>
> 1 पतरस 1:6–7

> “परन्तु वह जानता है, कि मैं कैसी चाल चला हूँ; और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूँगा।”
>
> अय्यूब 23:10

प्रभु स्वयं सम्मति देते हैं, “मैं तुझे सम्मति देता हूँ, कि आग में ताया हुआ सोना मुझसे मोल ले, कि धनी हो जाए” (प्रकाशितवाक्य 3:18)। वे विश्वासयोग्य लोगों से प्रतिज्ञा करते हैं, “प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा” (प्रकाशितवाक्य 2:10)।

प्रकाश की किरणें

क्रूस के पीछे से चमकती प्रकाश की किरणें यह दर्शाती हैं कि क्रूस जगत की ज्योति है। प्रभु ने कहा, “जगत की ज्योति मैं हूँ; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अंधकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा” (यूहन्ना 8:12)।

ये किरणें यह भी दर्शाती हैं कि जो मसीह के पीछे चलते हैं, वे ज्योति की सन्तान हैं। “जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है, ज्योति पर विश्वास करो कि तुम ज्योति के सन्तान बनो” (यूहन्ना 12:36)। “क्योंकि तुम सब ज्योति की सन्तान, और दिन की सन्तान हो, हम न रात के हैं, न अंधकार के हैं” (1 थिस्सलुनीकियों 5:5)। “क्योंकि तुम तो पहले अंधकार थे परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, अतः ज्योति की सन्तान के समान चलो” (इफिसियों 5:8)।

मसीहियों को जगत के लिए दीपक होना है, और उनमें से प्रत्येक उसी ज्योति की एक किरण है:

> “तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता। और लोग दीया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उससे घर के सब लोगों को प्रकाश पहुँचता है। उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें।”
>
> मत्ती 5:14–16

वे यह पवित्र आत्मा की उपस्थिति को ग्रहण करके, और अपने भीतर के आत्मा को अपने जीवन के द्वारा बाहर चमकने देकर करते हैं। तब उनके जीवन से सत्य की ज्योति चमकती है, और उनका जीवन जीवित बलिदान बन जाता है: “इसलिए हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है” (रोमियों 12:1)। तब दूसरे लोग मसीहियों को देखकर पहचान सकें कि वे भिन्न हैं: “तुम निर्दोष और निष्कपट होकर टेढ़े और विकृत लोगों के बीच परमेश्वर के निष्कलंक सन्तान बने रहो, जिनके बीच में तुम … जगत में जलते दीपकों के समान दिखाई देते हो” (फिलिप्पियों 2:15)। मसीही जगत की ज्योति हैं, क्योंकि वे जगत की ज्योति के पीछे चलते हैं, अर्थात् स्वयं मनुष्य यीशु के, जो मसीह हैं।

पवित्र बाइबल

पवित्र बाइबल विश्वास का नियम और मार्गदर्शक है, परमेश्वर का त्रुटिहीन वचन:

> “सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धार्मिकता की शिक्षा के लिये लाभदायक है, ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।”
>
> 2 तीमुथियुस 3:16–17

यह मसीही को तलवार के रूप में प्रयोग करने के लिए दिया गया है, “आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है” (इफिसियों 6:17):

> “क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत तेज है, प्राण, आत्मा को, गाँठ-गाँठ, और गूदे-गूदे को अलग करके, आर-पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है।”
>
> इब्रानियों 4:12

प्रभु ने स्वयं इसे इसी प्रकार चलाया। जब यीशु को जंगल में ले जाया गया ताकि “शैतान से उसकी परीक्षा हो”, तब उन्होंने हर एक परीक्षा का उत्तर लिखित वचन से दिया:

- “लिखा है, ‘मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।’” (मत्ती 4:4)
- “यह भी लिखा है, ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।’” (मत्ती 4:7)
- “हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है: ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’” (मत्ती 4:10)

तब शैतान उन्हें छोड़कर चला गया (मत्ती 4:11)।

पवित्र बाइबल वह मापदण्ड है जिसके अनुसार मसीही अपना जीवन जीता है: “तेरा वचन मेरे पाँव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है” (भजन संहिता 119:105); “तेरा वचन सत्य है” (यूहन्ना 17:17)। यह सदा स्थिर रहता है: “हे यहोवा, तेरा वचन, आकाश में सदा तक स्थिर रहता है” (भजन संहिता 119:89); “आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरे शब्द कभी न टलेंगे” (मत्ती 24:35)।

यह सर्वकाल के लिए लिखकर रखता है कि विश्वासी किस प्रकार अनन्त जीवन पा सकता है: “परन्तु ये इसलिए लिखे गए हैं, कि तुम विश्वास करो, कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है: और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ” (यूहन्ना 20:31)। और यह परमेश्वर की और उनके एकलौते पुत्र, हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा करता है: “तुम पवित्रशास्त्र में ढूँढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है” (यूहन्ना 5:39)।

बिजली

पवित्र बाइबल से निकलकर अजगर और पृथ्वी के चारों ओर घूमती प्रकाश की धाराएँ बिजली की कड़कती रेखाएँ हैं। वे परमेश्वर के वचन से निकलती हैं और अजगर को घायल करती हैं। परमेश्वर का वचन ब्रह्माण्ड की सबसे सामर्थी शक्ति है: “यहोवा की यह भी वाणी है कि क्या मेरा वचन आग सा नहीं है? फिर क्या वह ऐसा हथौड़ा नहीं जो पत्थर को फोड़ डाले?” (यिर्मयाह 23:29)। पवित्रशास्त्र प्रभु की बिजली के उनके शत्रुओं के विरुद्ध निकलने की बात करता है: “बिजलियाँ गिरा गिराकर उनको परास्त किया” (भजन संहिता 18:14); “बिजली कड़काकर उनको तितर-बितर कर दे, अपने तीर चलाकर उनको घबरा दे” (भजन संहिता 144:6)।

जब मसीही परमेश्वर का वचन बोलता है, तो वह शत्रु के लिए पीड़ादायक होता है और बिजली की कड़क के समान उस पर गिरता है। जब सत्तर चेले आनन्द करते हुए लौटे कि “तेरे नाम से दुष्टात्मा भी हमारे वश में है”, तब प्रभु ने उत्तर दिया:

> “मैं शैतान को बिजली के समान स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहा था। मैंने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।”
>
> लूका 10:18–19

बिजली स्वयं अजगर पर गिरती है, जो “वही पुराना साँप, जो शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है” (प्रकाशितवाक्य 12:9), और उन पर भी गिरती है जो उसके पीछे चलते हैं। वह आत्मिक लोक में प्रहार करती है, “क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और माँस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के शासकों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं” (इफिसियों 6:12), और सारे संसार में भी, जहाँ-जहाँ वह काम करता है। इसी प्रकार पवित्र लोग “मेम्ने के लहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए” (प्रकाशितवाक्य 12:11), और इसी प्रकार हर एक विश्वासी को यह प्रतिज्ञा दी गई है: “शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा” (याकूब 4:7)।

अजगर

अजगर (ड्रैगन) शैतान का प्रतीक है, जिसे पवित्रशास्त्र प्रायः अजगर कहता है: “और उसने उस अजगर, अर्थात् पुराने साँप को, जो शैतान है; पकड़कर ...” (प्रकाशितवाक्य 20:2)।

वह पृथ्वी के चारों ओर लिपटा हुआ है, क्योंकि पवित्रशास्त्र बताता है कि वह इस संसार का ईश्वर है: “उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके” (2 कुरिन्थियों 4:4)। प्रभु ने उसे “इस जगत का सरदार” कहा (यूहन्ना 12:31), और प्रेरित यूहन्ना ने लिखा कि “सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है” (1 यूहन्ना 5:19)। वह इस पतित संसार को उससे कहीं अधिक अपनी पकड़ में रखता है जितना मसीही जानता या समझता है। अदन की वाटिका में हुए पतन के समय से ही उसका दुष्ट प्रभाव उन सब बातों तक पहुँच गया है जिनसे मसीही का दिन-प्रतिदिन सामना होता है। वही है जिसके विषय में लिखा है: “आकाश के अधिकार के अधिपति अर्थात् उस आत्मा ... जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है” (इफिसियों 2:2), और “तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए” (1 पतरस 5:8)।

अजगर क्रूस की ओर फन उठाए हुए है, जो परमेश्वर के वचन के प्रति शैतान की खुली अवज्ञा को दिखाता है। यह परमेश्वर का, उनके मसीह का और सब पवित्र बातों का उसके द्वारा तिरस्कार दिखाता है, और उस सब का विरोध करने का उसका स्पष्ट इरादा भी, जिसे परमेश्वर ने समय के आरम्भ से गति दी है। सबसे बढ़कर, यह मानवजाति को, जो परमेश्वर के स्वरूप और समानता में बनाई गई है, नष्ट करने का उसका इरादा दिखाता है: “तब परमेश्वर ने अपने स्वरूप में मनुष्य को रचा, अपने ही स्वरूप में परमेश्वर ने मनुष्य की रचना की; नर और नारी के रूप में उसने मनुष्यों की सृष्टि की” (उत्पत्ति 1:27)। उसके विषय में प्रभु ने कहा, “वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं” (यूहन्ना 8:44)। “तब अजगर स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसकी शेष सन्तान से जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, लड़ने को गया” (प्रकाशितवाक्य 12:17)।

वह अपनी धर्मत्यागी सेना के साथ और संसार के उन दुष्ट लोगों के साथ जो उसके पीछे चलते हैं, उसी अवज्ञा में बना रहता है, यहाँ तक कि वह अपने सब अनुयायियों समेत आग की झील में डाल दिया जाएगा, जैसा प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में लिखा है:

> “और उनका भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में, जिसमें वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा; और वे रात-दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे।”
>
> प्रकाशितवाक्य 20:10

> “हे श्रापित लोगों, मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।”
>
> मत्ती 25:41

पृथ्वी का गोला

पृथ्वी के गोले का, उसके चारों ओर लिपटे अजगर से अलग, अपना एक अर्थ है। यह पृथ्वी है, परमेश्वर की सृष्टि। जब परमेश्वर ने अपना काम पूरा कर लिया, तब “परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है” (उत्पत्ति 1:31)।

पृथ्वी ईश्वरीय आदेश के द्वारा मनुष्य को दी गई:

> “और परमेश्वर ने उनको आशीष दी; और उनसे कहा, “फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगनेवाले सब जन्तुओं पर अधिकार रखो।””
>
> उत्पत्ति 1:28

> “स्वर्ग तो यहोवा का है, परन्तु पृथ्वी उसने मनुष्यों को दी है।”
>
> भजन संहिता 115:16

मनुष्य ने वह प्रभुत्व तब खो दिया जब उसने अदन की वाटिका में परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी और वर्जित फल खाया: “भूमि तेरे कारण श्रापित है” (उत्पत्ति 3:17)।

मसीह अपने अनुयायियों को अपनी आज्ञा मानने का आदेश देते हैं: “यदि तुम मुझसे प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे” (यूहन्ना 14:15)। उन्होंने अपने प्रेरितों को सब जातियों के पास भेजा:

> “इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ”
>
> मत्ती 28:19–20

उन्होंने उन्हें इसलिए भेजा कि यह संसार छुड़ाया जाए और फिर से परमेश्वर के साथ ठीक सम्बन्ध में लाया जाए, और मनुष्य पृथ्वी पर वैसे ही प्रभुत्व करे जैसा परमेश्वर ने आरम्भ में चाहा था। क्योंकि “सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर, परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी” (रोमियों 8:21)।

प्रभु की प्रार्थना इसी की बात करती है: “तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो” (मत्ती 6:10)। इन शब्दों में यीशु स्वयं घोषित करते हैं कि परमेश्वर की इच्छा है कि पृथ्वी उस व्यवस्था में लौटाई जाए जो उन्होंने आरम्भ में ठहराई थी। उसके पुनःस्थापन का अर्थ है कि शैतान परमेश्वर के वचन के द्वारा और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के बलिदान के द्वारा पराजित हो चुका है। तब “जगत का राज्य हमारे प्रभु का और उसके मसीह का हो गया और वह युगानुयुग राज्य करेगा” (प्रकाशितवाक्य 11:15)। छुड़ाए हुए लोग कहेंगे, “और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं” (प्रकाशितवाक्य 5:10)।

मुहर पर यह प्रतीक हर एक मसीही को यह कर्तव्य याद दिलाता है कि वह पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य को प्रगट करे। यीशु ने प्रचार किया, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है” (मत्ती 4:17), और उन्होंने अपने चेलों को यह कहने के लिए भेजा, “परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुँचा है” (लूका 10:9)। जहाँ यीशु उपस्थित हैं, वहाँ राज्य उपस्थित है। अजगर पर उनकी विजय के दिन भी ऐसा ही होगा, जब मनुष्य फिर से पृथ्वी पर वैसे ही प्रभुत्व करेगा जैसा परमेश्वर ने आरम्भ में चाहा था।

तूफ़ानी बादल और उफनता जल

तूफ़ानी बादल हवा के प्रतीक हैं, और यहाँ हवा पवित्र आत्मा है। प्रभु ने स्वयं आत्मा की तुलना हवा से की: “हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसकी आवाज सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहाँ से आती और किधर को जाती है? जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है” (यूहन्ना 3:8)। पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा “बड़ी आँधी के समान सनसनाहट” के साथ आए (प्रेरितों के काम 2:2)। आरम्भ में “परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डराता था” (उत्पत्ति 1:2)।

जब मसीही परमेश्वर के वचन का प्रयोग करता है और बिजली आत्मिक लोक में उस साँप और उसके अनुयायियों पर गिरती है, तब पवित्र आत्मा एक पवित्र हवा और आँधी के समान चलते हैं। वह गति पृथ्वी के जल तक को हिला देती है, क्योंकि “यहोवा की वाणी मेघों के ऊपर सुनाई देती है; प्रतापी परमेश्वर गरजता है, यहोवा घने मेघों के ऊपर रहता है” (भजन संहिता 29:3)। सारी पृथ्वी विश्वासी के परमेश्वर के वचन पर विश्वास से, और उस वचन को तलवार के रूप में प्रयोग करने से प्रभावित होती है। जब उसका उचित प्रयोग होता है, तब पवित्र आत्मा महिमा, सामर्थ्य और प्रभुत्व के साथ चलते हैं। आरम्भिक कलीसिया के साथ ऐसा ही हुआ: “जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन साहस से सुनाते रहे” (प्रेरितों के काम 4:31)।

तूफ़ानी बादल और उफनता जल मसीही को उत्तर देते हैं: उसके द्वारा परमेश्वर के वचन के प्रयोग को, और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह पर विश्वास में उसके द्वारा पवित्र आत्मा को पुकारने को। प्रभु ने स्वयं “आँधी को डाँटा, और पानी से कहा, “शान्त रह, थम जा!” और आँधी थम गई और बड़ा चैन हो गया”, और उनके चेलों ने पूछा, “यह कौन है, कि आँधी और पानी भी उसकी आज्ञा मानते हैं?” (मरकुस 4:39, 41)। उन्होंने विश्वास करनेवालों से वही अधिकार देने की प्रतिज्ञा की:

> “मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, ‘तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़,’ और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् विश्वास करे, कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा।”
>
> मरकुस 11:23

इसलिए यद्यपि कहा जाता है कि संसार शैतान के वश में पड़ा है, फिर भी परमेश्वर का वचन विजयी होता है। वह मसीही को उस पर अधिकार देता है जो मनुष्य ने अदन की वाटिका में हुए पतन में शैतान को सौंप दिया था। परमेश्वर के वचन के द्वारा, यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू और बलिदान के द्वारा, और उनके अधिकार के द्वारा विश्वासी अपने उचित स्थान पर फिर से स्थापित किया जाता है। जब वह पवित्रशास्त्र का ईश्वरीय वचन बोलता है, तो पृथ्वी स्वयं उत्तर देती है, और वह उत्तर पवित्र आत्मा के द्वारा होता है। आत्मा मसीही की प्रार्थना को सामर्थ्य देते हैं: “आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर जो बयान से बाहर है, हमारे लिये विनती करता है” (रोमियों 8:26)। आत्मा उसकी उन आज्ञाओं को भी सामर्थ्य देते हैं जो वह आत्मा में देता है, यहाँ तक कि उस पर भी जो खो दिया गया था, क्योंकि हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा इतनी महान है: “यदि तुम मुझसे मेरे नाम से कुछ माँगोगे, तो मैं उसे करूँगा” (यूहन्ना 14:14)।

पवित्रशास्त्र में प्रभु के अपने ये शब्द लिखे हैं: “स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है” (मत्ती 28:18)। जो मसीह पर विश्वास करते हैं, वे मेम्ने के बहुमूल्य लहू के द्वारा और उन पर अपने विश्वास के द्वारा उस अधिकार तक पहुँच पाते हैं।

रंग: नीला क्षेत्र और सुनहरी किनारी

नीला क्षेत्र आकाश है। आरम्भ से ही मनुष्य परमेश्वर से बात करते समय आकाश की ओर ऊपर देखता आया है: “हे स्वर्ग में विराजमान मैं अपनी आँखें तेरी ओर उठाता हूँ” (भजन संहिता 123:1)। प्रभु ने अपने चेलों को प्रार्थना करना सिखाया, “हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में है; तेरा नाम पवित्र माना जाए” (मत्ती 6:9)।

नीला रंग उन स्वर्गीय लोकों का प्रतीक है जिनमें मसीही प्रार्थना और विनती के द्वारा प्रवेश करता है। यह परमेश्वर के सिंहासन का स्थान है: “यहोवा यह कहता है: आकाश मेरा सिंहासन और पृथ्वी मेरे चरणों की चौकी है” (यशायाह 66:1)। वह सिंहासन मसीही के लिए अदृश्य और अज्ञेय है, फिर भी वह मसीह यीशु के द्वारा विश्वास से उसकी ओर देखता है, “क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं” (2 कुरिन्थियों 5:7)। वह इस वचन के अनुसार आता है: “हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस बाँधकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएँ, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे” (इब्रानियों 4:16)।

“गुप्त बातें हमारे परमेश्वर यहोवा के वश में हैं; परन्तु जो प्रगट की गई हैं वे सदा के लिये हमारे और हमारे वंश के वश में रहेंगी” (व्यवस्थाविवरण 29:29)। मनुष्य को अपना उद्धार सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान दिया गया है। वह पवित्र बाइबल के लिखित वचन के द्वारा मिलता है, अर्थात् उस “पवित्रशास्त्र ... जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है” (2 तीमुथियुस 3:15)। वह हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के निर्देश, शिक्षा और उदाहरण के द्वारा भी मिलता है।

जब मसीही प्रार्थना में अपना हृदय ऊपर उठाता है, तो वह स्वर्ग में, उस नीले रंग में जो स्वर्गीय लोकों का प्रतीक है, ऊपर चढ़ता है: "हम स्वर्ग में वास करनेवाले परमेश्वर की ओर मन लगाएँ और हाथ फैलाएँ और कहें" (विलापगीत 3:41)। "मेरी प्रार्थना तेरे सामने सुगन्ध धूप, और मेरा हाथ फैलाना, संध्याकाल का अन्नबलि ठहरे" (भजन संहिता 141:2)। "और उस धूप का धुआँ पवित्र लोगों की प्रार्थनाओं सहित स्वर्गदूत के हाथ से परमेश्वर के सामने पहुँच गया" (प्रकाशितवाक्य 8:4)।

सुनहरी किनारी मसीही के शुद्धिकरण की बात करती है, जैसा ऊपर सुनहरे क्रूस के अन्तर्गत बताया गया है। यीशु मसीह पर और उनके लहू की सामर्थ्य पर विश्वास शुद्ध करनेवाली आग है जो मनुष्य को वैसे ही ताकर शुद्ध करती है जैसे सोना आग में ताया जाता है। "उस तिहाई को मैं आग में डालकर ऐसा निर्मल करूँगा, जैसा रूपा निर्मल किया जाता है, और ऐसा जाँचूँगा जैसा सोना जाँचा जाता है। वे मुझसे प्रार्थना किया करेंगे, और मैं उनकी सुनूँगा" (जकर्याह 13:9)। यहाँ सोना उस शुद्ध किए गए मसीही का प्रतीक है जो पूरी रीति से यीशु मसीह पर विश्वास और भरोसा रखता है, जो "राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु" हैं (प्रकाशितवाक्य 19:16)।

अभिलेख

किनारी के चारों ओर यह अभिलेख अंकित है: "GARLAND F. BYERS, JR. ✠ EPISCOPUS"। यह नाम मुहर को बिशप बायर्स की अपनी मुहर के रूप में चिह्नित करता है। Episcopus बिशप के लिए लैटिन शब्द है। यह यूनानी शब्द episkopos से आया है, जिसका अर्थ है "अध्यक्ष", वही शब्द जिसका प्रयोग संत पौलुस ने इफिसुस के प्राचीनों को उत्तरदायित्व सौंपते समय किया था:

> "इसलिए अपनी और पूरे झुण्ड की देख-रेख करो; जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है कि तुम परमेश्वर की कलीसिया की रखवाली करो, जिसे उसने अपने लहू से मोल लिया है।"
>
> प्रेरितों के काम 20:28

नाम और पदवी मिलकर यह दर्शाते हैं कि बिशप बायर्स उस आत्मिक युद्ध में भाग लेते हैं जो प्रतिदिन लड़ा जाता है: "क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं" (2 कुरिन्थियों 10:4)। वे परमेश्वर के शासन के एक सदस्य हैं, बिशप के पद पर अभिषिक्त, और उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है कि वे सच्ची शिक्षा का प्रचार करें और चुप न रहें। "क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए; ... और विश्वासयोग्य वचन पर जो धर्मोपदेश के अनुसार है, स्थिर रहे; कि खरी शिक्षा से उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके" (तीतुस 1:7, 9)।

चुप रहना पाप गिना जाएगा: "इसलिए जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है" (याकूब 4:17)। प्रभु ने उस पहरुए को चेतावनी दी जो तलवार को आते देखकर भी नरसिंगा नहीं फूँकता: "उसके खून का लेखा मैं पहरुए ही से लूँगा" (यहेजकेल 33:6)। संत पौलुस ने कहा, "यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ, तो मुझ पर हाय!" (1 कुरिन्थियों 9:16)।

यह अभिलेख तोड़ों के दृष्टान्त की याद दिलाता है (मत्ती 25:14–30)। एक स्वामी ने यात्रा पर जाने से पहले अपनी सम्पत्ति अपने दासों को सौंप दी, और उनमें से दो ने लेन-देन करके जो उन्हें दिया गया था उसे दुगना कर दिया। स्वामी ने उनमें से प्रत्येक से कहा, "धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा; मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊँगा। अपने स्वामी के आनन्द में

सहभागी हो” (मत्ती 25:21)। तीसरे ने अपना तोड़ा मिट्टी में छिपा दिया, और स्वामी ने उसे उत्तर दिया, “हे दुष्ट और आलसी दास” (मत्ती 25:26)। यह दृष्टान्त बिशप बायर्स को उनके गम्भीर दायित्व का स्मरण कराता है:

- यीशु मसीह का सुसमाचार, जैसा वे उसे समझते हैं, सुनाना;
- परमेश्वर की दृष्टि में जो उचित और धार्मिक है, उसके पक्ष में खड़े रहना; और
- हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का अच्छा और विश्वासयोग्य दास बनना।

बिशप बायर्स नहीं जानते कि उन्हें क्यों बुलाया गया। वे केवल इतना जानते हैं कि उन्हें बुलाया गया है, और यही तथ्य अकेले उन्हें अधिकार और उत्तरदायित्व प्रदान करता है। “तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैंने तुम्हें चुना है और तुम्हें ठहराया ताकि तुम जाकर फल लाओ; और तुम्हारा फल बना रहे” (यूहन्ना 15:16)। “क्योंकि परमेश्वर अपने वरदानों से, और बुलाहट से कभी पीछे नहीं हटता” (रोमियों 11:29)। जिन्हें बहुत दिया गया है, उनसे बहुत माँगा जाता है: “इसलिए जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत माँगा जाएगा” (लूका 12:48)।

बिशप बायर्स के नाम और Episcopus शब्द के साथ अंकित छोटे क्रूस यह दर्शाते हैं कि वे क्रूस के बिशप हैं, हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की कलीसिया में एक बिशप। वे दिखाते हैं कि उनका नाम और उनका पद दोनों मसीह के साथ किस सम्बन्ध में स्थित हैं। “ऐसा न हो, कि मैं और किसी बात का घमण्ड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ” (गलातियों 6:14)। बिशप बायर्स सब बातों से बढ़कर मसीह के प्रति, और परमेश्वर के प्रति निष्ठा रखने के ऋणी हैं। ये क्रूस उसी आज्ञाकारिता के प्रतीक हैं, जो केवल परमेश्वर के प्रति ही देय है:

> “यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले।”
>
> लूका 9:23

> “कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता”
>
> मत्ती 6:24

> “मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।”
>
> प्रेरितों के काम 5:29

आदर्श-वाक्य

आदर्श-वाक्य Euntes in Mundum Universum, “सारे जगत में जाकर”, मुहर के सुनहरे भाग में अंकित है। यह सोने में इसलिए अंकित है कि बिशप बायर्स, विधिवत् अभिषिक्त होकर, पवित्र आत्मा की आग से शुद्ध किए गए हैं और उन्होंने पवित्र दीक्षा प्राप्त की है। वह दीक्षा अब उन्हें सुसमाचार के प्रसार का ऐसा उत्तरदायित्व प्रदान करती है जो उनके पहले के उत्तरदायित्व से कहीं अधिक भारी

है। वह आग उनके द्वारा सम्पन्न किए जानेवाले प्रत्येक संस्कार-कार्य के साथ फिर से प्रज्वलित होती है। जैसा संत पौलुस ने तीमुथियुस को लिखा, “तू परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ रखने के द्वारा तुझे मिला है प्रज्वलित कर दे” (2 तीमुथियुस 1:6)।

ये शब्द प्रेरितों का, और उनके उत्तराधिकारियों अर्थात् बिशपों का, आदेश हैं। ये स्वयं मसीह की आज्ञा हैं:

> “तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।”
>
> मरकुस 16:15

परमेश्वर का वचन और यीशु मसीह का सुसमाचार संसार की सब जातियों में प्रचार किया जाना और उन्हें उपलब्ध कराया जाना है: “और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो” (मत्ती 24:14)। इसी कारण बिशप बायर्स को जातियों के लिए बिशप कहा जाता है। मरकुस 16:15 में दिया गया मसीह का आदेश उनकी सेवा के लिए बुलाए गए हर एक व्यक्ति से यह माँग करता है कि वह सारे जगत में जाए और सारी सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करे।

बीते युगों में इसका अर्थ था शारीरिक रूप से उपस्थित होना: यात्रा करना, बाहर जाना और परमेश्वर का वचन फैलाना। वर्तमान युग में बिशप बायर्स के लिए इसका अर्थ यह भी है कि वे परमेश्वर का वचन और सच्ची शिक्षा लिखें और प्रकाशित करें, और उसे वर्ल्ड वाइड वेब पर उपलब्ध कराएँ, ताकि सब जातियाँ, यदि वे चाहें, उसे पढ़ सकें। “दर्शन की बातें लिख दे; वरन् पटियाओं पर साफ-साफ लिख दे कि दौड़ते हुए भी वे सहज से पढ़ी जाएँ” (हबक्कूक 2:2)। “प्रचारक बिना क्यों सुनें?” (रोमियों 10:14)।

परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह को स्वीकार करना व्यक्तिगत चुनाव है, और यह किसी पर थोपा नहीं जाना है। “आज चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे” (यहोशू 24:15)। “और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंत-मेंत ले” (प्रकाशितवाक्य 22:17)। प्रभु कहते हैं, “जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे; और जो मलिन है, वह मलिन बना रहे; और जो धर्मी है, वह धर्मी बना रहे; और जो पवित्र है, वह पवित्र बना रहे” (प्रकाशितवाक्य 22:11)।

बिशप बायर्स का कार्य और दायित्व यह है कि वे परमेश्वर का वचन और यीशु मसीह का सुसमाचार विश्वासियों और अविश्वासियों, दोनों के सामने समान रूप से प्रस्तुत करें। विश्वासी के लिए, विश्वास फिर से प्रज्वलित, सुदृढ़ और अधिक स्थिर हो सकता है, जैसा प्रभु ने पतरस को आदेश दिया: “जब तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना” (लूका 22:32)। अविश्वासी के लिए, यह उसे प्रभु और राजा यीशु मसीह पर विश्वास तक ला सकता है, “इसलिए विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है” (रोमियों 10:17)।

टिप्पणियाँ

1 सिकन्दरिया के क्लेमेंट, The Instructor (शिक्षक), पुस्तक 3, अध्याय 11।

2 Encyclopædia Britannica, “sigillography” (मुद्राशास्त्र) प्रविष्टि।

Euntes in Mundum Universum: “तुम सारे जगत में जाकर…” (मरकुस 16:15, IRV)।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (…) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।